Chapter- 10

आगे बढ़ना सीखो

STUDY NOTES

विषय सारांश-

कर्णसिंह पराशर द्वारा रचित कविता आगे बढ़ना सीखो में कवि जीवन में छोटी-छोटी बातों से बहुत कुछ सीखने की प्रेरणा देते हैं। जिससे जीवन में बहुत खुशियाँ मिलती है।

बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।
श्रम से कभी ना डर ना सीखो।।

इन पंक्तियो में कवि कहते हैं बच्चों कभी भी मेहनत करने से नहीं घबराना और जीवन में आगे ही बढ़ते रहना।

पथ में आए बाधाएँ,
कभी ना मन में घबराएँ।
बाधाओं से लड़ना सीखो,
बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।।

कवि कहते हैं हमारे रास्ते में कई मुश्किलें, रुकावटें आएँगी उनसे घबराए बिना उनका डटकर सामना करो और जीवन में आगे बढ़ते रहो।

शिक्षा पाकर योग्य बनो,
स्नेह प्यार में सभी सनो।
अंधकार से लड़ना सीखो,
बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।।

कवि कहते हैं कि बच्चों आप शिक्षित और काम करने के योग्य बनो। सभी के साथ प्यार से मिलजुल कर रहो। अज्ञानता से लड़कर उसे दूर भगाओ और जीवन में आगे बढ़ते रहो।

सत्य अहिंसा अपनाओ,
गीत एकता के गाओ।
सब से मिलकर चलना सीखो,
बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।।

इन पंक्तियों में सच और अहिंसा को अपनाकर एकता बनाए रखने के लिए कवि कह रहे हैं। और सभी के साथ मिल जुलकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए कह रहे हैं।

देश धर्म से प्यार करो,
दीन दुखी के कष्ट हरो।
अरि से डटकर लड़ना सीखो,
बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।।

इन पंक्तियों में कवि देश के प्रति प्यार करने की प्रेरणा दे रहे है। बच्चों से जरूरतमंदो और गरीबों की मदद करने के लिए तथा उनके दुख को दूर करने को कहते हैं। शत्रुओं से लड़कर जीवन में आगे बढ़ने की सीख भी दे रहे हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

जीवन-सूत्र: निर्भीकता स्वतंत्रता की पहली सीढ़ी है।

शब्दार्थ-

श्रम	-	मेहनत	शिक्षा	-	ज्ञान प्राप्त करना
स्नेह	-	प्यार	पथ	-	रास्ता, मार्ग
बाधाएँ	-	रूकावटें	एकता	-	मेलजोल, सद्भाव
कष्ट	-	तकलीफ़, पीड़ा	योग्य	-	काबिल, लायक, उचित
अंधकार	-	अंधेरा	अहिंसा	-	किसी भी प्राणी को दु:ख न पहुँचना
दीन-दुखी	-	गरीब, दरिद्र	अरि	-	शत्रु

मौखिक-

श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास:

श्रम	पथ	बढ़ना	बाधा	शिक्षा	योग्य
स्नेह	प्यार	अंधकार	एकता	कष्ट	अरि

लिखित-

१. कविता पूरी लिखिए।

क) बच्चों! आगे बढ़ना सीखो
श्रम से कभी न डरना सीखो!

ख) सत्य अहिंसा अपनाओ,
गीत एकता के गाओ।

ग) अरि से डटकर लड़ना सीखो,
बच्चों! आगे बढ़ना सीखो।

२. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए।

‘क’	‘ख’
क) बढ़ना	१. सनो
ख) बाधाएँ	२. गाओ
ग) बनो	३. डरना
घ) अपनाओ	४. हरो
ङ) करो	५. घबराएँ

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) बच्चों को किस से डरना नहीं चाहिए?

उ: बच्चों को मेहनत से नहीं डरना चाहिए।

ख) रास्ते पर चलते हुए बाधाओं के आने पर क्या करना चाहिए?

उ: रास्ते पर चलते हुए बाधाओं से हमें डटकर लड़ना चाहिए तथा आगे बढ़ते रहना चाहिए।

ग) 'अंधकार से लड़ना' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

उ: 'अंधकार से लड़ना' के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि हमें अज्ञानता को दूर भगाना चाहिए। हमें शिक्षित बनकर कोई भी कार्य करने के योग्य बनना चाहिए।

घ) किसे अपनाना चाहिए?

उ: सत्य और अहिंसा को अपनाना चाहिए और सबके साथ मिलकर जीवन में आगे चलना चाहिए।

ङ) किस से प्रेम करना चाहिए?

उ: देश और धर्म से प्रेम करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) 'देश धर्म से प्यार करो दीन-दुखी के कष्ट हरो' - इन पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उ: इन पंक्तियों के माध्यम से कवि यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमें अपने देश से प्यार करना चाहिए, गरीब और जरूरतमंदों की मदद कर उनके दुख को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए।

ख) इस कविता के माध्यम से कवि बच्चों को क्या संदेश देना चाहते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

उ: इस कविता के माध्यम से कवि यह बताना चाहते हैं कि हमे हमेशा मेहनत करनी चाहिए, मुसीबतों का सामना करना चाहिए, शिक्षा के प्रति जागरुक होना चाहिए, सत्य और अहिंसा के साथ चलकर देश का सम्मान करना चाहिए।

भाषा ज्ञान-

१. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (ं) तथा अनुनासिक (ँ) चिन्ह लगाकर शब्द लिखिए।

क) आए - आएँ

ख) बाधाओ - बाधाओं

ग) अधकार - अंधकार

घ) बाधाए - बाधाएँ

ङ) पतग - पतंग

च) अहिसा - अहिंसा

२. विपरीत शब्द लिखिए।

क) आगे - पीछे

ख) बढ़ना - घटना

ग) योग्य - अयोग्य

घ) अंधेरा - उजाला

ङ) सत्य - असत्य

च) हिंसा - अहिंसा

छ) एकता - अनेकता

ज) स्नेह - घृणा

अतिरिक्त प्रश्न-

१. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) हमें किससे नहीं डरना चाहिए?

उ: हमें श्रम से नहीं डरना चाहिए?

ख) अगर राह में बाधाएँ आएँगी तो हम कैसे आगे बढ़ेंगे?

उ: अगर राह में बाधाएँ आएँगी तो उनका डटकर सामना करेंगे और आगे बढ़ेंगे।

ग) कवि ने अंधकार की तुलना किससे की है?

उ: कवि ने अंधकार की तुलना अज्ञानता से की है।

©©©

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow